दैनिक
प्रातः कालीन
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 345 मुरादाबाद, 16 April 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत विश्व कल्याण के लिए बना; और इसे साझा करें, बोले भागवत

गुजरात विश्वविद्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने भारतीयों से कहा कि वे देश की प्राचीन ज्ञान प्रणाली में अपने संदेह और विश्वास की कमी को दूर करें और इसके बजाय यह पता लगाने के लिए शोध करें कि क्या प्रासंगिक है और इसे सभी के साथ साझा करें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि भारत का गठन विश्व कल्याण के लिए हुआ है और देश को अपनी ताकत और प्रतिष्ठा में वृद्धि के बीच अपने ज्ञान को एक कर्तव्य के रूप में साझा करना चाहिए। गुजरात विश्वविद्यालय में एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने भारतीयों से कहा कि वे देश की प्राचीन ज्ञान प्रणाली में अपने संदेह और विश्वास की कमी को दूर करें और इसके बजाय यह पता लगाने के लिए शोध करें कि क्या प्रासंगिक है और इसे सभी के साथ साझा करें। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्र का गठन हमारे पूर्वजों की तपस्या के कारण हुआ था, जो दुनिया का कल्याण चाहते थे, इसलिए यह हमारा कर्तव्य है कि हम ज्ञान साझा करें।% अहमदाबाद स्थित आरएसएस से जुड़े थिंक टैंक पुनर्उत्थान विद्यापीठ की ओर से तैयार प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली और संबंधित विषयों के 1,051 खंडों का विमोचन करने के बाद भागवत ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की ताकत और प्रतिष्ठा बढ़ने के बावजूद यह जरूरी है कि हम अपनी ज्ञान प्रणाली के साथ-साथ दुनिया में मौजूद ज्ञान की समीक्षा करें ताकि ज्ञान के नए स्तरों का पता लगाया जा सके और इसे दुनिया को नए रूप में पेश किया जा सके। गवत ने कहा कि भारतीयों को दुनिया के साथ साझा करने के लिए काम करने से पहले खुद ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोग संदेह में रहते हैं और इस ज्ञान पर अविश्वास रखते हैं। आरएसएस के सरसंघचालक ने दावा किया कि वास्तविक ज्ञान वाले लोग हैं लेकिन हम उनपर अविश्वास करते हैं क्योंकि हमारे मस्तिष्क को इस तरह आकार दिया गया है।

मोतिहारी में जहरीली शराब का कहर; अब तक 17 लोगों ने तोड़ा दम; चार दर्जन से अधिक गंभीर

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)- मोतिहारी में जहरीली शराब का कहर जारी है। संदिग्ध परिस्थितियों में मरनेवालों की संख्या 17 हो गई है। चार दर्जन लोग गंभीर रूप से बीमार हैं। सभी के जहरीली शराब पीने की आशंका है। घटना को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने जांच के आदेश दिए हैं। सदर व अरेराज के अनुमंडल पदाधिकारी को संबंधित गांवों में जाकर जांच रिपोर्ट देने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम संबंधित गांवों में भेजी गई है। उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में शराब पीने के मामले की जांच के लिए टीम बनाई गई है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान हुई मौत के आंकड़ों पर गौर करें तो जिले के तुरकौलिया में चार, सुगौली में पांच, पहाड़पुर में दो और हरसिद्धि में तीन लोगों की जान संदिग्ध परिस्थितियों में गई है।

शुक्रवार से मौत का सिलसिला जारी

बताया गया है कि शुक्रवार की शाम अचानक से पहली घटना तुरकौलिया थानाक्षेत्र के लक्ष्मीपुर में हुई। यहां के बैरिया बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में रामेश्वर राम उर्फ जटा राम की मौत हो गई। वहीं, इसी गांव के ध्रुव पासवान ने मोतिहारी के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि अशोक पासवान व छोटू पासवान ने मुजफ्फरपुर स्थित मेडिकल कालेज अस्पताल में दम तोड़ दिया।जिले के कई इलाकों में जहरीली शराब का कहर

पहाड़पुर थाना क्षेत्र के मुशहर टोली में गुटन मांझी और टुनटुन सिंह की मौत हुई है। सुगौली थाना क्षेत्र के गीधा में सुदीश राम, इन्द्राशन महतो, चुलाही पासवान, कौवाहा के गोविंद ठाकुर की मौत छतौनी के निजी अस्पताल में हो गई। वहीं, इसी थाना क्षेत्र के बड़ेया में गणेश राम की मौत हो गई। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के धवई मुशहर टोली में भी तीन लोगों की मौत की सूचना है।

विभिन्न अस्पतालों में बीमार लोग भर्ती

तुरकौलिया के लक्ष्मीपुर के बीमार संजय साह, कपिलदेव साह, बिनोद पासवान, अनिल पासवान, प्रमोद प्रसाद, प्रमोद पासवान, अजय राम, संजय राम, कैलाश पासवान, रवीन्द्र राम, उमेश राम, कमलेश पासवान व दिनेश पासवान का इलाज विभिन्न निजी अस्पतालों में चल रहा है। इसी तरह सुगौली, पहाड़पुर व हरसिद्धि के बीमार लोगों की चिकित्सा मोतिहारी के निजी अस्पतालों के अलावा पड़ोसी जिला बेतिया के भी निजी अस्पतालों में चल रहा है।जिला प्रशासन व पुलिस की टीम बीमार लोगों के बारे पता लगा रही है। उत्पाद अधीक्षक अमितेश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। जिले में शराब की सूचना पर छापेमारी चल रही है।

डीएम ने प्रभावित इलाकों में भेजी मेडिकल टीम

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के जिलाधिकारी सौरभ जायसवाल ने बताया कि लोगों के मौत की सूचना मिली है। जहरीली शराब पीने की बात कही जा रही है। बीमार लोगों के इलाज के लिए मेडिकल टीम संबंधित गांवों में भेजी गई है। उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में शराब के बिंदु पर जांच के लिए टीम बनाई गई है। सदर व अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी को संबंधित इलाके में जाकर तत्काल जांच रिपोर्ट देने को कहा गया है।

अखिलेश, वरुण के बाद अब प्रियंका गांधी ने मांगी सारस की आजादी, कहा- एक पक्षी से आसमान छीन लिया

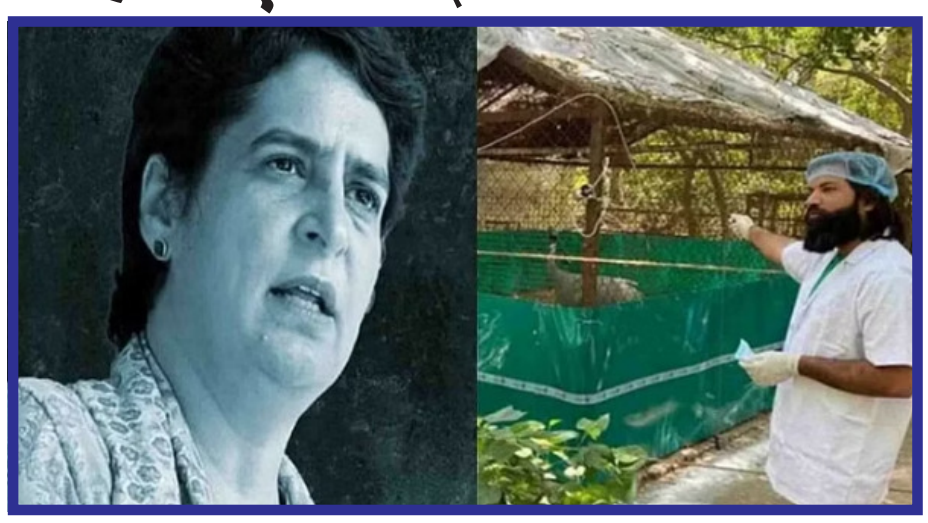

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कानपुर में हुई आरिफ और सारस की मुलाकात का वीडियो ट्विटर पर अपलोड करते हुए लिखा कि- एक पक्षी खुले आकाश में रहना पसंद करता है। लेकिन उसकी आजादी छीन ली गई। सरकार की यह कैसी संवेदनहीनता है कि एक सारस को न सिर्फ उसकी रक्षा करने वाले से दूर कर दिया गया बल्कि, उससे उसका खुला आसमान भी छीन लिया गया। अमेठी के आरिफ का सारस इन दिनों राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। कानपुर के चिड़ियाघर में अपना क्वारंटीन समय पूरा करने के बाद भी सारस अभी पिजड़े में ही कैद है। उसे खुले आकाश में छोड़ा जाएगा या नहीं इस पर कोई फैसला नहीं लिया जा सका है। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, भाजपा सांसद वरुण गांधी के बाद अब कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी सारस की आजादी की मांग की है। प्रियंका गांधी ने सारस और आरिफ की चिड़ियाघर में मुलाकात का वीडियो शनिवार दोपहर को ट्वीट करते हुए लिखा है कि- एक पक्षी खुले आकाश में रहना पसंद करता है, लेकिन उसकी आजादी छीन ली गई। सरकार की यह कैसी संवेदनहीनता है कि एक सारस को न सिर्फ उसकी रक्षा करने वाले से दूर कर दिया गया बल्कि, उससे उसका खुला आसमान भी छीन लिया गया। ये सरासर गलत है। उनके इस ट्वीट को कई लोग शेयर और रिट्वीट कर रहे हैं।

आरिफ और सारस की दोस्ती की कहानी

अमेठी के जामो ब्लॉक निवासी आरिफ और सारस की दोस्ती अगस्त 2022 में हुई थी। आरिफ को सारस खेत में जख्मी हालत में मिला था। उसके दाहिने पैर पर चोट लगने से खून निकल रहा था। उसके पैर पर दवा लगाकर पट्टी बांध दी। उसके बाद सारस को खेत पर किनारे लिटा दिया। इसके बाद लगातार उसकी देखरेख करते रहे। सारस आरिफ के घर पर ही रहने लगा।

धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती मिसाल बन गई।

गर्रा नदी के पुल से नीचे गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 13 लोगों की मौत, सीएम योगी ने जताया दुख

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में बड़ा हादसा हुआ है। तिलहर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर को ग्रामीणों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली गर्रा नदी के पुल से नीचे गिर गई। ट्रॉली में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 40 लोग सवार थे। हादसे में 13 लोगों को मौत हो गई है। कई लोग घायल हैं। हादसा तिलहर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए। घायलों को अस्पताल में भिजवाया गया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार लोग ददरौल के सुनौरा गांव के रहने वाले थे। गर्रा नदी से जल लेने थे। ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार लोग गर्रा नदी से जल लेने गए थे। चालक पुल पर ट्रैक्टर-ट्रॉली मोड़ रहा था।

गर्रा नदी से जल लेने आए थे लोग

जानकारी के मुताबिक ददरौल के सुनौरा गांव में आकाश तिवारी के यहां कथा का आयोजन हो रहा है। गांव के कई लोग शनिवार की सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर तिलहर क्षेत्र में निगोही मार्ग पर बिरसिंहपुर गांव के पास गर्रा नदी से जल लेने आए थे। जल भरने से पहले चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली गर्रा नदी के पुल पर मोड़ रहा था। बैक करते वक्त ट्रॉली पुल से नीचे उतर गई। इसी दौरान ट्रॉली ट्रैक्टर समेत पुल से नीचे जा गिरी। घटना के वक्त ट्रॉली में महिलाएं, बच्चे समेत कई लोग सवार थे। हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई।

ट्रॉली के नीचे दब गए थे लोग

आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ ट्रॉली को सीधा किया। ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि 13 लोगों की मौत हो गई है। कई लोग घायल हैं। इन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

सीएम योगी ने जताया दुख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में गर्रा नदी में हुए हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समूचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।इसी बीच ट्रॉली पुल से नीचे पलट गई।

संपादकीय Editorial

Mafia found in soil

We still remember the roar of UP Chief Minister Yogi Adityanath in the Assembly when he said that he would raze the mafia to the ground. Will fall for life. The mafia will either be in jail or will run away from UP. Today, Atiq Ahmed's fate seems to be the same. Ateeq was elected Lok Sabha MP and MLA several times. It seems strange to call such a person a mafia, but his real character has been that of a mafia. Mukhtar Ansari is also in his link. There will be others too, but the way UP's Special Task Force has killed Atiq's son Asad and his shooter Ghulam in an encounter, Atiq is crying behind bars, blaming himself for the destruction of the family. Accepting the guilty, it is clear from him that 'Baba's government' in UP will die only by mixing the mafia with the soil! A reward of Rs 5 lakh each was declared on Asad-Ghulam. He was wanted in connection with the broad daylight murder of Umesh Pal in Prayagraj. Umesh was the only eyewitness of the BSP MLA Raju Pal murder case. Now the needle of suspicion is also focused on Asad's mother Shaista Parveen. Till now she is absconding. If she attends Asad's funeral, the police can arrest her. Atiq and his younger brother Ashraf are accused of hatching the conspiracy. Atiq's two elder sons are lodged in Lucknow jail. Assad has been handed over. Both the younger sons are locked up in the reformatory. Some henchmen are still absconding. The palatial houses of Ateeq and his close ones have been razed to the ground by bulldozers. The whereabouts of Atiq's crimes, fear and torture have become public. The Enforcement Directorate (ED) has seized over 200 bank accounts, over 100 benami and illegal assets and over Rs 75 lakh in cash. The entire Chakravyuh of the mafia is falling apart.

These facts have also come to the fore that Atiq's wires were connected to Pakistan and its intelligence agency ISI. He also had nefarious links with terrorist organizations like Lashkar-e-Taiba. Atiq had received foreign weapons and funding etc through Pakistan and our Punjab. Has this mafia also been anti-India? Asad and Ghulam kept throwing dust in the eyes of the police and intelligence team for about 49 days, but the destiny was fixed for the encounter. Atiq confessed to the crime only at the age of 17. When he was considered a mafia, then the big officials of the government, the policemen and even the politicians were in awe. Terrified by his terror. The misconceptions of considering the mafia as a 'lion' continued, but today its empire has really become 'mud'. Now politics has also started on the soiling of this mafia. Atiq has been close and under the protection of Mulayam Singh Yadav and Mayawati, so SP-BSP leaders have raised questions on the encounter and law and order. Since Owaisi practices 'Muslim' politics, he is shouting that the police will continue to kill in encounters, so what will the courts and judges do? Courts should be locked. The punishment for any crime is decided by the judiciary, not the government and the police. There is Yogi government of BJP in UP for the last six years, so figures are being counted that how many encounters were done during this period and they did not get any justice. We are also in favor of the same thinking that the final judicial decision should be of the court only, but the courts are not able to sentence a mafia like Atiq, so what should the government and the police do? Should mafiagiri be allowed to survive or flourish? This aspect should also be considered.

Decision: Decision related to the health and respect of daughters, so that the girls of the poor can study

With the decision of the Supreme Court to provide free sanitary pads to the girls, the girls of the poor families of the rural areas will be able to continue their studies. After reaching a stage of school life, daughters have to face a strange hesitation, anxiety and pain. In fact, it is a common concern of the entire society. That's why it is not just a change in girls according to their age group, but also an important aspect related to their health and respect. This is also a matter related to the education of girls, because one of the major reasons for drop out is the problems related to menstruation. Most of the problems are related to non-availability of clean toilets for girls, restricted social behavior and changing mood in these special days. This is the reason why mental stress and psychological complications surround school girls in every part of the country at the beginning of menstruation. It is heartening that a recent decision of the Supreme Court has talked about bringing ease on an important aspect related to the life of growing up daughters. Significantly, the court has given special instructions to the central government on the petition demanding to provide free sanitary pads to school girls. The instructions include asking all schools and educational institutions to provide free sanitary pads to girl students studying there, from installing pads vending machines to making proper arrangements for disposal. This order will be applicable to all schools having upper primary, secondary and higher secondary classes, where girls study. Not only this, the court has asked all the states and union territories to develop a standard model process and a national model of management to ensure menstrual hygiene and submit a report within four weeks. The court has considered the importance of hygiene during menstruation as a serious issue while giving a decision to make a uniform national policy keeping in mind menstruation in the schools of the country. In fact, from far-flung villages to slums of metropolitan cities, there are still a large number of families who are unable to spend money for this need of daughters. Also, there is a lack of awareness in many families regarding the use of sanitary napkins. In rural areas, there are many misconceptions about this among women. Ironically, things like old cloth, ash and paper are still used today. These are all unhygienic, uncomfortable and unsafe choices that pose health hazards to women of all age groups. The World Health Organization has also said that keeping in view the health security of women in India, the use of sanitary napkins should be promoted. This is the reason why it is necessary not only to ensure easy and free availability of sanitary pads in schools, but also to make them available in the market at an affordable price. Sanitary napkins were also among the 88 items on which tax was reduced in the GST Council meeting in 2018. Statistics show that about 70 percent of women in India are suffering from sexually transmitted diseases. Such diseases of infection also spread due to unhygienic conditions during menstruation. Even cases of uterine cancer are coming to the fore, while a study named 'Sanitary Protection-Every Woman's Health Right' has also revealed that a large number of women use old methods in menstruation, because they Not able to buy sanitary napkins. According to a report, in schools in far-flung villages and towns, many girls remain absent from school for five days during periods, because women in many rural areas are not aware of the use of sanitary pads. In such a situation, it is necessary to provide free sanitary pads to school girls for education, health and respect. Sanitary napkins are one of the essential needs of schoolgirls, this will save the girl child from the discomfort and troubles of those days and also reduce the health risks associated with them.

NCERT Controversy: Curriculum for positive change, country is not important at the center of change

It is necessary to keep the country at the center rather than any consideration in curriculum planning. The basis of the process of nation-development is prepared only when people leave the path of status quoism. Controversy has erupted these days over the changes in the syllabus of the National Council of Educational Research and Training (NCERT). There have been changes in NCERT syllabus many times in the past as well. The basic objective of education is to invest competencies and life values in the students. Lack or absence of any one of these two destroys the whole concept of education. Continuous changes and enhancements make the courses contemporary and future-oriented. But it is sad that any change in the structure of education does not get accepted easily. If new text material is to be added, then some of the old text material has to be removed. If this does not happen, the curriculum will become like the mouth of Sursa and will become irrelevant by becoming cumbersome. Many new things are also associated with the new National Education Policy in teaching and learning. Now all the emphasis is on making the courses learner centric. The interest of the student is now of paramount importance. He can now choose a minor course of his interest along with the core course. In such a situation, it is the need of the hour to make curriculum suited for today's youth. It is not without reason that the National Curriculum Framework calls for two and a half hours a week at the middle level and three hours at the secondary level for vocational training. There will be 75 percent weightage (value) of practical in the evaluation also. Now vocational training will start from class VI itself. In the difficult times of global inflation and unemployment, we have to make necessary changes and improvements in the structure of school education. It is an accepted fact that many disciplines of science, computer science, commerce and social science will become a pool of irrelevant knowledge without continuous enhancement and change. New research is always forward. Without including them, the particular subject will neither be renewed nor with the dignity of knowledge. Let the expert committees decide what to keep and what to leave in the interest of the students and the country. Today, computer science, biology, physics and other branches of science are no longer teaching material from thirty, forty or fifty years ago, because science teachers have given importance to updated knowledge. It also does not mean that he forgot his early scientists. All of them should be taught not to school students, but to those who have acquired higher education. In times when competition is global, education has to be dynamic. It is also necessary to consider the pages of text books and the grasping capacity of students up to 12th standard. They are not researchers that they should be given every information related to that subject. In the contemporary world full of tensions, they are struggling with the problems of career as well as values of life. They should not be taught such subjects in the courses, which give rise to any negativity. For example, in the context of the assassination of the Father of the Nation, Mahatma Gandhi, Nathuram Godse is mentioned, in which it is told from which caste he belonged, creates a different kind of emotion. What effect will this texture of the curriculum have on the mind of the school student? Changes in the curriculum of history, political science and literature have often been the subject of controversy. In the midst of a controversy, very few people are able to see and understand whether there is any element in the related controversy or not. It has been seventy-five years since India became independent. A lot of new history has been made in such a long period of time. There have been many such incidents which should be taught in the elementary classes. Obviously, in order to add the new, some of the old have to be removed. Only then students will be able to read the important history of independent India. It is absolutely expedient that the students should have knowledge of the near past along with the distant past for completeness. The history of struggle and victory is more important than the history of defeats and conspiracies. It is also worth pondering that why the topics of history which were taught in one class should be taught in the next class? Repetition does not increase knowledge, it becomes distasteful. If a student has to pursue higher education in the same subject in future, he/she will study the required material. Then there will be no limit of study in front of him. In literature courses also in school level education, it should be seen that there is no duplication of writers at every level. The writers-poets whom the students have read in class seven, if the same writers-poets are taught to them in class nine as well, then what new will be added to those students? Only the stories and poems will change. Definitely their interest and knowledge will expand if they are taught different writers and poets. If the student will read more writers-poets in his school life, then even if he is not a student of literature in future, he will be able to establish his identity as a person rich in literary-artistic interest. They should also be taught the political philosophies that have developed in the country with and after the freedom movement. All such political philosophies have influenced the Indian mind. How is it possible that only a selected political history of the early years after independence is taught? Go, leave the rest? It is necessary to keep the country at the center rather than any consideration in curriculum planning. We have now celebrated the nectar festival of independence. Needless to say that the basis of the process of nation-development is prepared only when people leave the path of status quoism.

ललित कौशिक होंगे रामपुर जेल में शिफ्ट, केशव और विकास भेजे जाएंगे बिजनौर

मुरादाबाद- श्वेताभ तिवारी व कुशांक गुप्ता हत्याकांड की जांच में रिमांड के दौरान पुलिस को कई अहम साक्ष्य मिले। एसएसपी हेमराज मीना बताया कि जिलाधिकारी से भाजपा नेता ललित कौशिश को रामपुर जेल भेजने का अनुरोध किया था। जिस पर जिलाधिकारी ने सहमति दे दी है। वहीं विकास और केशव को बिजनौर जेल भेजा जाएगा।

जांच में ललित के कार्यालय से पुलिस ने श्वेताभ तिवारी व कुशांक की दो तस्वीरें बरामद की हैं। ये तस्वीरें शूटर को दिखा कर ललित ने दोनों हत्याओं का तानाबाना बुना था। महानगर में रामगंगा विहार निवासी ललित कौशिक पर सीए श्वेताभ तिवारी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

सीए हत्याकांड की तह तक जाने के लिए मझोला पुलिस ने ललित कौशिक व उसके साथी खुशवंत सिंह को 14 घंटे के लिए रिमांड पर लिया। दोनों ही हत्यारोपियों से सुबह सात से रात नौ बजे तक पुलिस ने पूछताछ की। पुलिस ने पहले खुशवंत सिंह से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, दोनों से अलग-अलग पूछताछ में कई बार भ्रम की स्थिति बनी। पूछताछ में दोनों ही आरोपियों ने श्वेताभ तिवारी हत्याकांड में संलिप्ता कबूल की।

ललित ने माना कि उसने अपने रामगंगा विहार स्थित कार्यालय में पहले कुशांक फिर सीए श्वेताभ तिवारी की हत्या की साजिश रची। हत्या में शामिल खुशवंत सिंह व शूटर केशव सरन शर्मा से दोनों ही घटनाओं को ललित ने अंजाम दिया। पुलिस दोनों को साथ लेकर भाजपा नेता के अकबर किला के पास स्थित कार्यालय पहुंची। यहां ललित के कार्यालय से श्वेताभ तिवारी व कुशांक गुप्ता की कई तस्वीरें पुलिस ने बरामद की। पूछताछ में ललित कौशिक ने बताया कि इन तस्वीरों की मदद से शूटर केशव ने सीए व कुशांक की पहचान की। फिर 12 जनवरी 2022 को पहले कुशांक को मौत के घाट उतारा।

इसके 13 माह बाद 15 फरवरी को सीए श्वेताभ तिवारी की हत्या की गई। पुलिस रिमांड के दौरान ललित कौशिक व उसके साथी खुशवंत सिंह उर्फ भीम से अहम जानकारी व साक्ष्य पुलिस के हाथ लगे हैं। सीए श्वेताभ तिवारी व कुशांक हत्याकांड को अंजाम देने के आरोप को ललित कौशिक ने स्वीकारा है। - अर्पित कपूर, सीओ, थाना सिविल लाइंस

टिकट पर टकटकी, दिग्गजों को सता रहा बगावत का डर

मुरादाबाद-नगर निगम के महापौर और नगर पंचायत के अध्यक्ष के टिकट घोषित होने पर सभी दलों के दावेदारों में टकटकी लगी रही। शुक्रवार को आंबेडकर जयंती के दिन भाजपा, बसपा, कांग्रेस की सूची आने की उम्मीद में सभी की निगाह रही। दलों के कई पदाधिकारियों का मोबाइल बंद होने से सभी के टिकट वितरण को फाइनल करने की बैठक में होने का अनुमान कार्यकर्ता और दावेदार लगाते रहे। प्रमुख दलों के दिग्गज भी सूची जारी होने पर बगावत के बम से सहमे हैं। इसलिए आखिरी समय तक सर्वमान्य नाम पर सहमति बनाने का प्रयास जारी रहा। भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस में से किसी भी पार्टी ने अभी तक मुरादाबाद नगर निगम के महापौर के लिए नाम घोषित नहीं किया है। इससे सभी दलों के दावेदार टकटकी लगाए हैं। भाजपा में निवर्तमान महापौर विनोद अग्रवाल सहित दो अन्य नामों पर मंथन चल रहा है। गुटबाजी का असर टिकट वितरण में दिख रहा है। यही स्थिति सपा में भी है। हालांकि यहां पर किसी महिला को टिकट न मिलने की स्थिति बनी है। ऐसे में आधी आबादी को अपनी दावेदारी बेदम लग रही है। कांग्रेस के पश्चिमी प्रांत के अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने गुरुवार को यहां पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर शुक्रवार को सूची जारी होने की बात कही थी। इससे दावेदार लखनऊ से सूची जारी होने की टोह लेने में लगे रहे। जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद आदि किसी एक नाम का पत्ता नहीं खोल रहे हैं। हालांकि वह खुद भी इसके लिए दावेदार हैं। भाजपा के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष का मोबाइल बंद होने से कार्यकर्ता और दावेदार भी टिकट को लेकर परेशान रहे। माना जा रहा है कि आखिरी दौर की निर्णायक बैठक में सभी पदाधिकारियों से राय ली जा रही है। सर्वमान्य स्थिति बनाकर नाम की घोषणा पार्टी के दिग्गज करेंगे। क्योंकि नाम की घोषणा होते ही दलों में बगावत का बम फूटना तय है।

11 निकायों के 243 वार्डों में 9,47,506 मतदाता बनेंगे भाग्यविधाता

मुरादाबाद। नगर निकाय चुनाव के लिए पहले चरण में जिले में चार मई को मतदान और 13 मई को मतगणना होगी। जिले के 11 निकायों में जिसमें एक नगर निगम, दो नगर पालिका और आठ नगर पंचायतों के 243 वार्डों में 9,47,506 मतदाता प्रत्याशियों की राजनीतिक तकदीर लिखने के लिए ईवीएम और बैलेट के जरिए चार मई को वोट डालेंगे। इसमें नगर निगम के 70 वार्डों में 6,73,843 मतदाता सर्वाधिक हैं। इन निकायों में मुरादाबाद नगर निगम, नगर पालिका परिषद बिलारी और ठाकुरद्वारा, नगर पंचायत भोजपुर, पाकबड़ा, अगवानपुर, कांठ, उमरी कलां, नगर पंचायत महमूदपुर माफी, नगर पंचायत कुंदरकी और नगर पंचायत ढकिया है।

नामांकन कराने में पसीने से तर-बतर हो रहे अधिकारी और कर्मचारी, टेबल पर नहीं लगे हैं पंखे

मुरादाबाद-तेज धूप व गर्मी के बीच चल रहे नामांकन प्रक्रिया में अधिकारियों और कर्मचारियों को भी पसीना बहाना पड़ रहा है। कलेक्ट्रेट परिसर के मुशायरा ग्राउंड में चल रहे नगर निगम के 70 वार्ड के पार्षद के नामांकन प्रक्रिया में लगे रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारी और कर्मचारियों ने शनिवार को पांचवें दिन गर्मी के बीच नामांकन प्रक्रिया कराई। यहां शेड के नीचे बने 14 काउंटर पर पंखे न लगे होने से उनको परेशानी के बीच कार्य करना पड़ रहा है। कुछ रिटर्निंग अधिकारियों और कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि इतनी गर्मी में पंखा तो लगा होना चाहिए। हालांकि पानी का कैन रखा है। वहीं दूसरी ओर जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने नामांकन प्रक्रिया का कलेक्ट्रेट परिसर में महापौर

के लिए रिटर्निंग अधिकारी अपर जिलाधिकारी प्रशासन सुरेंद्र सिंह के न्यायालय कक्ष में जाकर जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने मुशायरा ग्राउंड में भी निरीक्षण कर पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार नामांकन प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कहा।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह सहित कलेक्ट्रेट अधिष्ठान और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। महापौर के नामांकन प्रक्रिया के रिटर्निंग अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि दोपहर तक महापौर के लिए दो नामांकन पत्र अथर हुसैन अंसारी, जुल्फिकार अली ने लिया है।

वसूली के लिए पहुंची टीम पर बकायेदार ने किया हमला, गिरफ्तार

मुरादाबाद-कोतवाली क्षेत्र के गांव खासेपुर में शनिवार को ऋण की वसूली के लिए पहुंची संग्रह अमीनों की टीम पर बकायेदार के परिवार ने हमला कर दिया। इसके बाद टीम कोतवाली पहुंची और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक की चंदौसी शाखा में तैनात सहायक कुर्क अमीन उदय भान सिंह व उनके सहायक अरुण कुमार, धर्मेंद्र पाल, आदि के साथ खासेपुर गांव में वसूली व बकाएदार की गिरफ्तारी के लिए पहुंचे। गांव के ही कल्लू के घर पर तकादा व गिरफ्तारी के लिए टीम पहुंची तो बकाएदार के भाई

अतर सिंह आदि उग्र हो गए।इस बीच कल्लू व परिवार के लोगों ने टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिससे अमीन की नाक पर चोट लग गई और खून बहने लगा। किसी तरह लोगों से बचाया। बाद में वसूली टीम के सदस्यों ने बकाएदार कल्लू को गिरफ्तार कर लिया। कार्य में बाधा डालने, टीम पर जानलेवा हमला करने में टीम ने तहरीर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

भगतपुर में युवक की गोली मारकर हत्या, कातिलों की तलाश में जुटी पुलिस

मुरादाबाद-भगतपुर थाना क्षेत्र के रोशनपुर बहेड़ी गांव में शुक्रवार रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के परिजनों ने एक दंपति के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए भगतपुर पुलिस कातिलों की तलाश में जुटी है। आपको बता दें कि शुक्रवार रात गांव में फायरिंग की आवाज सुनाई दी, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए और मौके पर जाकर देखा तो ऋषि पाल मृत अवस्था में पड़ा था और उसके शरीर में गोली लगी हुई थी।मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा गांव के ही निवासी मीना व उसके पति दयाराम के खिलाफ तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और तथ्यों की जांच की जा रही है, जिससे घटना का सही खुलासा किया जा सके।

छेड़छाड़ व मारपीट के आरोप में नौ लोगों पर मुकदमा

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला की तहरीर पर पुलिस ने छेड़छाड़ व मारपीट के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मानसरोवर कालोनी बुद्धि बिहार की रहने वाली महिला के पति की मौत हो चुकी है। महिला ने तहरीर देकर बताया कि वह अपने तीन नाबालिग बच्चों संग जीवन यापन कर रही हैं। मोहल्ले के ही नन्हें, जितेन्द्र, तेजपाल, ऋषिपाल, सोनू व प्रेम उर्फ भूरा पुत्रगण प्रेम सिंह के अलावा मोहित पुत्र नन्हे सिंह बेवा महिला पर लगातार अपना मकान बेचने का दबाव बना रहे हैं।12 अप्रैल को सुबह करीब नौ बजे लाठी- डंडे से लैस आरोपियों ने उनके घर पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने धमकी देते कहा कि मकान छोड़कर चली जा, नहीं तो जान से मार देंगे। इस दौरान आरोपियों ने महिला व उसके बच्चों से गाली गलौज करते हुए मारपीट की। यहां तक कि नाबालिग बच्चों के कपड़े तक फाड़ डाले। चीख पुकार पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। तहरीर के आधार पर उक्त आरोपियों के अलावा दो अन्य महिलाओं को नामजद करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। प्रभारी निरीक्षक मझोला विप्लव शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत करते हुए घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

नगरीय निकाय नामाकंन हेतु एडीएम-ई कोर्ट, मुशायरा ग्राउंड एवं जिला निर्वाचन कार्यालय का किया निरीक्षण

मुरादाबाद। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगरीय निकाय नामाकंन हेतु एडीएम-ई कोर्ट, मुशायरा ग्राउंड एवं जिला निर्वाचन कार्यालय का किया निरीक्षण जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने नगरीय निकाय नामाकंन हेतु अपर जिलाधिकारी कोर्ट एवं कलेक्टेऊट स्थित मुशायरा ग्राउंड एवं जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं दुरस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी एवं जनमानस को किसी भी तरह की कोई

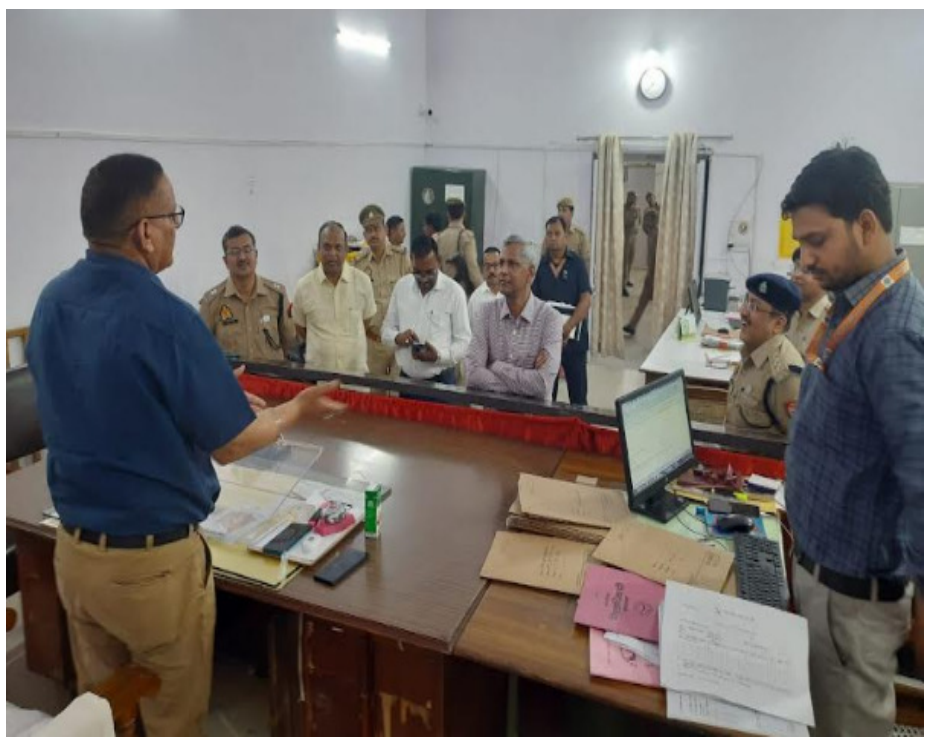

असुविधा न हों तथा निर्वाचन कार्यो को गम्भीरता से करें। जिलाधिकारी ने नामाकंन प्रक्रिया का निरीक्षण कर पारदर्शिता वरतने के निर्देश अधिकारियों को दिये। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी नगर आलोक कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह, एसपी सिटी अखिलेश भदोरिया सहित संबंधित अधिकारी व पुलिस कर्मी उपस्थित रहें।

मैसेज भेजकर सगे भाइयों को दी जान से धमकी

मुरादाबाद। सिविल लाइंस के अशोक नगर में रहने वाले दो सगे भाइयों को मैसेज के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अशोक नगर निवासी कन्हैया मेहता ने पुलिस को बताया कि 11 अप्रैल शाम करीब सात बजे उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जिसमें कन्हैया और उनके भाई दीपक को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसके बाद दोबारा मैसेज आया। जिसमें लिखा था कि मंडी गेट लाइनपार आओ। किसी से भी पूछ लेना प्रकाश कौन है। तुम दोनों में से कोई नहीं बचेगा। पीड़ित का आरोप है कि धमकी भेजने वाले पवन कश्यप और उसका तरुण कश्यप हो सकता है। दोनों ने फर्जी आईडी का इस्तेमाल करते हैं। कन्हैया का कहना है कि दोनों भाइयों से उसका विवाद चल रहा है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

नशे के खिलाफ श्रावस्ती पुलिस का पुर्नजागरण शंखनाद

अरविन्द कुमार यादव
क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती - श्रावस्ती नशा विरोधी जागरूकता अभियान के अवसर पर थाना कोतवाली भिनगा के ग्राम चन्दनकुड़ी में योगेन्द्र मणि त्रिपाठी ,अध्यक्ष सामाजिक संस्था सद्भावना श्रावस्ती द्वारा चौपाल लगाकर नशे के खिलाफ पुर्नजागरण का शंखनाद किया गया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह रहीं। इस चौपाल में ग्राम चन्दनकुड़ी की करीब 600 लोगों की आबादी में लगभग 300 लोग एकत्र हुए । इस गाँव की काफी आबादी नशे का सेवन करती है ,सभी को नशा मुक्त बनानें के लिए इस अभियान की शुरूवात इस गाँव से की गयी है । ऐसे ही कार्यक्रम जनपद के विभिन्न गाँवो को चिन्हित कर नशे के खिलाफ जागरूक किया जायेगा । जनपद को नशा मुक्त किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान चौपाल में उपस्थित लोगों के मध्य से 02 ऐसे लोग समक्ष आये जिन्होंनें भारी सभा में अपनें परिवार की उपस्थिति में आज से नशा न करनें का संकल्प लिया । पुलिस अधीक्षक द्वारा लोगों को नशीली दवाओं, शराब व अन्य मादक द्रव्यों के सेवन को जड़ से खत्म करने के लिए जागरूक किया गया और बताया गया कि नशीले पदार्थों, मादक पदार्थों के सेवन की लत बहुत ही खराब होती है, नशे की लत का व्यसन व्यक्ति, परिवार और

समाज के बड़े वर्ग पर विनाशकारी प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि नशे का कारोबार खतरनाक मोड़ ले रहा है, नशा न केवल व्यक्ति के जीवन को बर्बाद करता है बल्कि परिवार और समाज के लिए भी हानिकारक होता है नशा समाज और देश के लिए चिंता का कारण बन गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा इस चौपाल के माध्यम बताया गया कि नशा विरोधी जागरूकता अभियान के अवसर पर हमें नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि युवा पीढ़ी और वयस्क लोग खुलेआम नशा करते हैं नशा अनेक बुराइयों को जन्म देता है और व्यक्ति के जीवन को असंतुलित बना देता है, नशे का सेवन करके वाहन चलाने वाले लोग अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, नशा करने से कई प्रकार की बीमारियां भी हो जाती हैं जिससे परिवार पर अलग से बोझ पड़ता है।पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को श्रावस्ती पुलिस द्वारा जागरूक किया जा रहा है, हर नागरिक को इस नशा मुक्ति के प्रति खुद और अपने आसपास के लोगों में जागरूकता फैलाना जरूरी है ,हम सब मिलकर नशा मुक्त समाज बना सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशा उस दीमक की तरह है जो हमारी संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था को दिन- प्रतिदिन खोखला कर रहा है बच्चों को भी नशे से शारीरिक नुकसान, गलत संगत व दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करना आवश्यक है । उन्होंने बताया कि हर बच्चे के परिवार का कर्तव्य है कि वह अपने बच्चों की समय-समय पर काउंसलिंग करते रहें और बच्चों की बदलती आदतों का ध्यान रखें उन्होंने बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे होने वाले अपराधों के संबंध में भी अवगत कराया और नशा मुक्त समाज के लिए संकल्पित भी किया

नवीन मंडी पहुंचकर स्ट्रांग रूम का लिया जायजा

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती -जिला निर्वाचन अधिकारी /जिला मजिस्ट्रेट नेहा प्रकाश नवीन मंडी स्थल भिनगा पहुंचकर स्ट्रांग रूम के तैयारियो जायजा लिया तथा सभी व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त बनाये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।ज्ञातब्य हो कि जिले के दोनों नगर निकायों के 0 4 मई 2023 को राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार जिले में मतदान होना निर्धारित हुआ है , निर्वाचन के उपरान्त मत पेटिकाओ को स्ट्रांग रूम में मतगणना तक सुरक्षित रखा जाएगा।नगर पालिका भिनगा में निर्वाचन के उपरांत मत पेटिकाओ को सुरक्षित रखने हेतु लव विद्या पीठ के समीप नवीन मंडी स्थल भिनगा मे स्ट्रांग रूम बनाना प्रस्तावित किया गया है, वही नगर पंचायत इकौना में मतदान के

बाद मतपेटिकाओ को तहसील इकौना कार्यालय में स्ट्रांगरूम बनाना प्रस्तावित किया गया है।नगर पालिका भिनगा में मतदान कराने हेतु पोलिंग पार्टियां नवीन मंडी स्थल से ही 03 मई ,2023 को रवाना होगी व 04 मई ,को मतदान सम्पन्न कराने के पश्चात नवीन मंडी स्थल में ही बनाये गए स्ट्रांगरूम में मतदान पेटिकाओ को जमा कराया जाएगा,व नगर पंचायत इकौना के निर्वाचन कराने हेतु पोलिंग पार्टियां तहसील इकौना से ही 03 मई को रवाना होगी और 04 मई को मतदान सम्पन्न होने के उपरांत तहसील इकौना में ही बनाये गए स्ट्रांगरूम में मतदान मत पेटिका जमा करायी जायेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राज्य निर्वाचन आयोग के मंशानुसार स्ट्रांगरूम के बाहर सुरक्षा हेतु सी सी टी वी सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्था पूर्व से ही सुनिश्चित कराए जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया है।

पुलिस अधीक्षक ने भिनगा का भ्रमण कर मतदान केंद्रों का लिया जायजा

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा थाना भिनगा के कस्बा भिनगा के अंतर्गत पड़ने वाले क्रिटिकल/ वेनरेबल मतदान स्थल/ मतदान केंद्रों का भ्रमण किया गया।

भ्रमण के दौरान उच्च प्राथमिक विद्यालय बंदरहा दक्षिणी भिनगा, प्राथमिक विद्यालय बंदरहा भिनगा, प्राथमिक विद्यालय वगुरैया, प्राथमिक विद्यालय टड़वा बनकटवा पहुंचकर वहां बनने वाले मतदेय स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

दयानंद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल मैनेजिंग सोसाइटी के उपाध्यक्ष बने एमपी अरोड़ा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना - दयानंद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल मैनेजिंग सोसाइटी, लुधियाना के नए पदाधिकारियों की सूची आज घोषित कर दी गई है। इसमें सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा का नाम है, जिन्हें उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पदाधिकारियों में बिपिन गुप्ता भी शामिल हैं जिन्हें सोसायटी के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। अपनी नई नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए संजीव अरोड़ा ने कहा कि वह स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जैसे कि वह अब तक काम करते

आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विकास के अगले चरण के लिए डीएमसीएच के कुछ फोकस क्षेत्र हो सकते हैं, जिसमें बेहतर रोगी देखभाल, संचालन को पेशेवर बनाना, गरीबों और जरूरतमंद सहित सभी को संगठित गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना, और संगठन में अधिक प्रबंधन सदस्यों को शामिल करना और काम का वितरण किया जाना शामिल है।

अनिल सोलंकी बने एटा कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा -कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ब्रजलाल खाबरी ने एटा जनपद में पूर्व जिलाध्यक्ष गंगासहाय लोधी के स्थान पर कार्यवाहक अध्यक्ष अध्यक्ष अनिल सोलंकी को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं । सकीट विधानसभा छेत्र से पूर्व प्रत्याशी रहे अनिल सोलंकी काफी लम्बे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुये । कांग्रेस पार्टी के हितों में सदैव कार्यशील रहने बाले अनिल सोलंकी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में

खुशी की लहर दौड़ गयी । इस अवसर पर पूर्व सांसद सत्या बहिन, पूजा वरिष्ठ, आदर्श मिश्रा डेनी, विनीत पारासर बाल्मीकी शहर अध्यक्ष,,जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस सरिता अम्बेडकर, नीलिमा राज, शहर अध्यक्ष विनीत पाराशर,ज्योति सोलंकी,विनीत पाराशर शहर अध्यक्ष, सुभाष सागर पूर्व सभासद, रामकुमार सक्सेना पीसीसी ,मधुरकान्त कश्यप,जितेंद्र सिंह,भोला गुप्ता,संदीप, देवेंद्र प्रताप सिंह , डाक्टर सुरेंद्र सवेरी सविता, मुकेश बघेल ,संदीप प्रतिहार,आशू यादव पीसीसी,नीलमा राज पीसीसी,मोहम्मद इरफ़ान एडवोकेट पीसीसी,हीरा पाराशर ,अजीत सोलंकी,प्रमोद बंटी, जय कुमार,विकाश गौतम,आविद अली,मोहम्मद तस्बबूर,टीटू गिहार, आदि लोग उपस्थित रहे।

समाज सेविका सुषमा देवी ने अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह में किया झांकियों का पुष्पों से भव्य स्वागत

सत्यम शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-बिशारत गंज वार्ड नंबर= 1 की समाज सेविका सुषमा देवी ने अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह में किया झांकियों का पुष्पों से भव्य स्वागत। बरेली जनपद के बिशारत गंज की है जहां संविधान के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का 132 वा जन्मोत्सव समारोह मनाया गया। जिसमें बिशारत गंज के अंबेडकर पार्क वार्ड नंबर-1 से 123 बिथरी चैनपुर के विधायक राघवेंद्र शर्मा ने अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह का शुभारंभ किया। जहां समाज सेवीका सुषमा देवी ने झांकियों पर पुष्प वर्षा की और लोगों का अभिवादन किया और सबको जलपान ग्रहण करवाया। इस शोभायात्रा में बाबा साहब के जैसे वेशभूषा और संविधान लिखी हुई पुस्तक अपने हाथ में लेते हुए प्रदर्शन करते नजर आए यह शोभा यात्रा पूरे बिशारतगंज कस्बे में घूमते हुए अंबेडकर पार्क में देर शाम पहुंच कर जन्मोत्सव समारोह का समापन किया गया। इस मौके पर जन्मोत्सव समारोह का स्वागत करने के लिए आंवला सांसद धर्मेन्द्र कश्यप, नितीश प्रताप सिंह , नानक राम सागर, लिली ,महेंद्र पाल सागर,राकेश सागर,जयपाल सागर,ब्रजेश आजाद, मोर सिंह सागर,राजेश सागर, सोनी सागर अंशु गौतम,नत्थू लाल सागर,आशू वाल्मीकि जिला अध्यक्ष अंबेडकर जयंती, विपिन बाल्मीकि, सुमित वाल्मीकि,रजत वाल्मीकि, आकाश वाल्मीकि आदि सभी समाज के लोग मौजूद रहे।साथ ही साथ सुरक्षा के कड़े इंतजाम में थाना बिशारतगंज का पुलिस फोर्स भारी संख्या में तैनात रहा।

गुमशुदा 14 वर्षीय बालक को 24 घंटे के अंदर किया सकुशल बरामद

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा -थाना कोतवाली देहात पुलिस को मिली सफलता, देहात पुलिस द्वारा गुमशुदा 14 वर्षीय बालक को 24 घंटे के अंदर किया सकुशल बरामद। घटनाक्रमानुसार दिनांक 12.04.2023 को वादी श्री ज्ञानेन्द्र पुत्र श्री रतन सिंह निवासी हिम्मतपुर थाना कोतवाली देहात एटा ने थाना कोतवाली देहात पर सूचना दी कि दिनांक 10.04.2023 को उसका पुत्र प्रतीक उर्फ ईलू उम्र करीब 14 वर्ष घर से स्कूल जाने के बाद वापस घर नहीं आया है, जिसके सम्बन्ध मे थाना कोतवाली देहात पर मुअस0- 167/2023 धारा 363 भादवि 0 पंजीकृत किया गया
तथा बच्चे की बरामदगी हेतु टीम गठित की गई। एसएसपी एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण में गठित टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गुमशुदा बालक प्रतीक उर्फ ईलू उम्र करीब 14 वर्ष को वृन्दावन जनपद मथुरा से सकुशल बरामद किया गया। पुलिस द्वारा किए गए सराहनीय कार्य की परिजनों द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई।

भूसे की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता हेतु स्ट्रा रीपर के प्रयोग हेतु किसानों को प्रोत्साहित करें

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा -उप कृषि निदेशक रोताश कुमार ने शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद के समस्त किसान भाईयों को सूचित किया है कि फसलों के अवशेष जाये लाने से उत्पन्न हो रहे प्रदूषण की रोकथाम एवं पराली प्रबंधन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए गए हैं। कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ-साथ सुपर एसएमएस के प्रयोग किए जाने के निर्देश निर्गत किए गए हैं। सुपर एसएमएस के विकल्प के रूप में अन्य फसल अवशेष प्रबंधन के यंत्र जैसे स्ट्रा रीपर, स्ट्रा रेक व बेलर, मल्बर, पैडी स्ट्रा चापर, रोटरी श्लेसर, रिबर्सिबुल एमबी प्लाऊ का भी प्रयोग कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ किए जाने के निर्देश भी शासन द्वारा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गेहूं एवं रबी की अन्य फसलों की कटाई का सीजन चल रहा है। कम्बाईन हार्वेस्टर के उपयोग के बाद फसलों के डंठल खेतों में ही रह जाते हैं। स्ट्रा रीपर के उपयोग से फसलों के डंठल की कटाई एवं थ्रेसिंग करके भूसा तैयार किया जा सकता है। प्रदेश में गौवंशीय, महिषवंशीय एवं अन्य पशुओं के भरण पोषण हेतु प्रचुर मात्रा में भूसे की उपलब्धता के दृष्टिगत शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि फसलों की कटाई एवं थ्रेसिंग हेतु कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ-साथ स्ट्रा रीपर के उपयोग को अनिवार्य किया जाए। कृषि विभाग के अधिकारियां, कर्मचारियों द्वारा इसका ग्रामीण क्षेत्र में किसान सहायकों, एटीएम, बीटीएम आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार कर जागरूक किया जाए।

अधिवक्ता श्री डी पी सिंह यादव का निधन

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा -कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन एटा के सीनियर अधिवक्ता श्री डी पी सिंह यादव जो श्री श्याम पाल सिंह यादव एडवोकेट दीवानी परिसर में बैठते हैं उनके बड़े भाई हैं आज हम लोगों के बीच नहीं रहे अभी अभी सूचना प्राप्त हुई है उनका पार्थिव शरीर आगरा से उनके आवास जेल रोड पर कुछ ही क्षणों में पहुंच रहा हैं ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें शोकाकुल परिवार को एवं शुभचिंतकों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें हमारी संवेदना शोकाकुल परिवार के साथ हैं ओम शांति ओ सन्तोष कुमार गौतम एडवोकेट एटा

मुजफ्फरनगर में हैरान करने वाला मामला, प्ले कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म, कक्षा एक के छात्र पर लगा आरोप

मुजफ्फरनगर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बताया गया कि प्ले कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म किया गया। कक्षा एक के छात्र पर आरोप लगा है।मुजफ्फरनगर में शहर कोतवाली क्षेत्र के एक पब्लिक स्कूल में प्ले कक्षा की साढ़े तीन साल की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी कक्षा एक का दस वर्षीय छात्र हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। साथ ही बच्ची को मेडिकल के लिए भेजा है। मुस्लिम समुदाय के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसने अपनी साढ़े तीन साल की बेटी का दाखिला मोहल्ले में ही एक स्कूल में प्ले कक्षा में कराया है। यहां दस वर्षीय एक बच्चा भी कक्षा एक में पढ़ता हैं। आरोप है कि शुक्रवार को छात्र को बहला फुसला कर उसकी बेटी को स्कूल की छत पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। छुट्टी के बाद पीड़ित बच्ची ने घर पहुंच कर अपनी मां को इस बारे में जानकारी दी।उस समय बच्ची का पिता घर पर नहीं था। शनिवार को बच्ची का पिता घर पहुंचा और परिचितों के साथ बेटी को लेकर कोतवाली पहुंचा। पुलिस ने आरोप के अनुसार, मुकदमा दर्ज कर लिया। सहायक पुलिस अधीक्षक आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। बच्ची को भी मेडिकल के लिए भेजा है।

दर्दनाक! पत्नी और बच्चों की बेरहमी से हत्या, फिर युवक ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

बरौर थाना क्षेत्र में पत्नी और दो बच्चो की हत्या करने के बाद फैक्टरी कर्मी ने आत्महत्या कर ली। घटना के पीछे परिवारिक कलह की बात सामने आ रही है। मौके पर पुलिस पहुंची है और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए हैं। कानपुर देहात में बरौर थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव में युवक ने विवाद के बाद पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद बेटे और बेटी को भी मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद खुद भी फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी पर एसपी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम साक्ष्य संकलित कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, हाजीपुर निवासी इंद्रपाल निषाद (40) चार दिन पूर्व गुजरात से आया था। वहीं रहकर वह फैक्टरी में कार्य करता था। शनिवार की दोपहर घर में पत्नी निशा (38), पुत्र प्रवेश (13), पुत्री जाह्नवी (8) की पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद घर के अंदर कुंडे से दुपट्टा के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर थानाध्यक्ष सुरजीत सिंह और अन्य थानों का पुलिस बल पहुंच गया। फोरेंसिक टीम ने पहुंच कर साक्ष्य एकत्रित किए। मृतक के पिता मथुरा प्रसाद दूसरे बेटे के परिवार के साथ रहते हैं।

सामने आई है दंपती के बीच विवाद की बात

मृतक इंद्रपाल का परिवार अलग रहता था। पुलिस अधीक्षक बीबी जीटीएस मूर्ति ने मौके पर पहुंच कर घटना के संबंध में जानकारी की। फिलहाल दंपती के बीच विवाद होने की जानकारी मिली है। हत्या व आत्महत्या के प्रमुख कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

पति का वीडियो मिला, बोला- ऑटो से आता था मुकेश... उसने बर्बाद कर दिया परिवार

पत्नी व दो बच्चों की हत्या करके खुद फांसी लगाकर जान देने वाले युवक इंद्रपाल का एक वीडियो सामने आया है। पुलिस ने ये वीडियो जांच में शामिल किया है। वीडियो में युवक कह रहा है कि मुकेश नाम एक शख्श है, जो मेरे घर आता था। वह बाल बच्चे वाला है, तब भी इसके पीछे (पत्नी) मरता रहा। उसने मेरा पूरा परिवार बर्बाद कर दिया।

मामले की गहन जांच हो रही है

ये वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहा है। वहीं, इंद्रपाल के भाई ने भी अपनी भाभी पर चरित्र ठीक न होने का आरोप लगाया है। उसने भी पुलिस को बताया कि भाभी के चरित्र की वजह से ही ये घटना हो गई है। एसपी बीबीजीटीएस कहा कि घटना की गहनता से जांच चल रही है।

अनवरगंज एक्सप्रेस की चपेट में आया युवक,मौत

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा -कासगंज,गंजडुंडवारा। रेलवे स्टेशन के पूर्वी केबिन के समीप एक ट्रेन की चपेट में आने से युवक के दोनों पैर शरीर से अलग हो गए। एंबुलेंस की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त मुकेश पुत्र नाथूराम निवासी परोरी कम्पिल फर्रुखाबाद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह शुक्रवार को कासगंज-अनवरगंज एक्सप्रेस की चपेट में आ गया था। ट्रेन निकल जाने के बाद युवक को कराहते व तड़पते देख लोग दौड़ पड़े। युवक के दोनों पैर धड़ से अलग हो चुके थे। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल को धूप से बचाने के लिए अंगोछा तान लिया। जानकारी पर एंबुलेंस पहुंच गई। युवक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक को मृत देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा है।

सिपाही ने की महिला से की छेड़छाड़, रिपोर्ट

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा -कासगंज,सोरों, । पुलिस की आगरा जोन हॉकी प्रतियोगिता में मैच खेलने कासगंज स्टेडियम आए एक सिपाही ने सोरों के एक होटल में मुंबई से शादी समारोह में आई महिला से छेड़छाड़ कर दी थी। सिपाही की हरकत से गुस्साई महिला ने सोरों कोतवाली में तहरीर दे दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। एसपी ने आगरा के पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट भेजी है। पुलिस के अनुसार गुरुवार की शाम मुंबई से एक महिला, परिवार के साथ विवाह समारोह में भाग लेने सोरों आई थी। वो जिस समय होटल गई वहां पहले से सिपाही मौजूद थे। आरोप है कि, इसी दौरान कुलदीप कुमार नाम के आरक्षी ने महिला से छेड़छाड़ शुरू कर दी। परिजनों व महिला के विरोध करने पर होटल वाले ने भी महिला से अभद्रता शुरू कर दी। सूचना पर पुलिस पहुंच गई और पीड़िता व घरवालों को लेकर कोतवाली आ गई। पीड़िता ने आरक्षी कुलदीप व होटल वाले पर केस दर्ज कराया है। आरक्षी आगरा की रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात है। वह कासगंज में आगरा जोन हॉकी प्रतियोगिता में आया था।

सपा ने मेयर पद के लिए कुल छह उम्मीदवार घोषित किए, अब तक 15 प्रत्याशी घोषित

सपा ने शनिवार को बरेली, मथुरा, वाराणसी, आगरा, अलीगढ़ और गाजियाबाद के मेयर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।सपा ने शनिवार को मेयर पद के लिए छह उम्मीदवारों की घोषणा और कर दी है।इसके साथ ही सपा अब तक मेयर के कुल 15 प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। शनिवार को बरेली, मथुरा, वाराणसी, आगरा, अलीगढ़ और गाजियाबाद के उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। सपा ने बरेली से संजीव सक्सेना, मथुरा से पं. तुलसी राम शर्मा, वाराणसी से ओ पी सिंह, आगरा से ललिता यादव, अलीगढ़ से जमीर उल्ला खां और गाजियाबाद से नीलम गर्ग को उम्मीदवार बनाया है।

रालोद ने प्रत्याशियों की दो सूची जारी की

राष्ट्रीय लोकदल ने शनिवार को यूपी नगर निकाय के चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दो सूची जारी कर दी है। जानें पार्टी ने किसे टिकट दिया है? राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह ने नगरीय निकाय चुनाव के नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु निम्नलिखित प्रत्याशियों की घोषणा की है।

रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने नगर पालिका और नगर पंचायत अध्यक्षों की पहली सूची जारी करते हुये बताया कि राया (मथुरा) से वीरेन्द्र सिंह, बलदेव (मथुरा) से रामकिशन वर्मा, राधाकुंड (मथुरा) से बृजकिशोर, (बागपत) से रियाजुददीन, खेकड़ा (बागपत) से रजनी धामा, मवाना (मेरठ) से अयूब कालिया, मोदी नगर (गाजियाबाद) से विनोद गौतम, लोनी (गाजियाबाद) से रंजीता धामा, पतला (गाजियाबाद) से रीता चौधरी, गंगोह (सहारनपुर) से शमा परवीन, अम्बेहटा पीर (सहारनपुर) से रेशमा, ननौता (सहारनपुर) से नावेद अख्तर, जलालाबाद (शामली) से अब्दुल गफ्फार, गढ़ी पुख्ता (शामली) से प्रमोद, कांधला (शामली) से मिर्जा फैसल बेग, खतौली (मुजफ्फरनगर) से शाहनवाज लालू, पुरकाजी (मुजफ्फरनगर) से बसारत खां, हल्दौर (बिजनौर) से अमर सिंह पम्मी, सहसपुर (बिजनौर) से शबाना जहीन को प्रत्याषी घोषित किया है।

असद-गुलाम एनकाउंटर की होगी मजिस्ट्रियल जांच, जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किए आदेश

जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार ने इस घटना की मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं। जांच अधिकारी नगर मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव को बनाया गया है। नगर मजिस्ट्रेट ने जांच शुरू कर दी है। झांसी के थाना बड़ागांव इलाके में बृहस्पतिवार को एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में माफिया अतीक अहमद का बेटा असद अहमद और शूटर गुलाम मारा गया था। पुलिस का कहना था कि दोनों अतीक अहमद को पुलिस कस्टडी से छुड़ाने के लिए झांसी पहुंचे थे। दोनों की गिरफ्तारी की कोशिश की गई थी, लेकिन उन्होंने एसटीएफ पर फायरिंग कर दी थी। एसटीएफ की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में असद और गुलाम मारे गए थे। जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार ने इस घटना की मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं। जांच अधिकारी नगर मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव को बनाया गया है। नगर मजिस्ट्रेट ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि कोई घटना के संबंध में किसी तरह की जानकारी या साक्ष्य देना चाहता है तो तीन दिन के भीतर उपलब्ध करा सकता है।

कानपुर जिला जज का स्थानांतरण होते ही बिल्हौर के अधिवक्ताओं में खुशी की लहर

अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में घूम कर विजय जुलूस निकाला

प्रद्युम्न कटियार
क्यूँ न लिखूं सच

कानपुर (बिल्हौर)- कानपुर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं और जिला जज के बीच हुए विवाद को लेकर कानपुर अधिवक्ताओं के साथ-साथ पूरे प्रदेश के अधिवक्ता जिला जज के हटाए जाने को लेकर हड़ताल पर थे, सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिवक्ताओं की मांग पर शासन द्वारा आज शनिवार को जिलाजज का स्थानांतरण किए जाने की जानकारी मिलते ही अधिवक्ताओं में खुशी लहर दौड़ गई, बिल्हौर तहसील के दोनों संगठनों के अधिवक्ताओं ने मामले को अधिवक्ताओं की जीत बताते हुए तहसील परिसर में ढोल नगाड़े पर

झूमते और आतिशबाजी करते हुए जुलूस निकालकर अपनी खुशी का इजहार किया, इस दौरान अधिवक्ता एकता जिंदाबाद के नारे लगते रहे इस मौके पर बिल्हौर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविनेश यादव महामंत्री शिव शरण तिवारी, द लायर्स एसोसिएशन से महामंत्री जनार्दन सिंह , बृजेश कटियार, विजय कटियार, राम सिंह भदौरिया, अभिषेक पाण्डेय, सौरभ, रफीक, महेंद्र, अमित अग्निहोत्री, मयंक, प्रभाकर, अंशुमान समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

निकायों से अध्यक्ष और सभासदों की टिकट लेने वालों की लंबी लाइन

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूं सच

एटा - भाजपा कार्यालय पर दसों निकायों से अध्यक्ष और सभासदों की टिकट लेने वालों की लंबी लाइन रही। हर निकायों के दावेदारों के भाजपा नेताओं ने इंटरव्यू लिए। सभी से एक ही सवाल किया गया कि आप अपने बारें में बताएं। भाजपा कार्यालय पर प्रभारी मंत्री केपी मलिक, केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, सांसद एटा राजवीर सिंह राजू, फर्रूखाबाद सांसद मुकेश राजपूत, जिलाध्यक्ष संदीप जैन, जिला प्रभारी नगेंद्र सिंह राठोर, विधायक विपिन वर्मा डेविड, विधायक वीरेंद्र वर्मा, विधायक संजीव दिवाकर, विधायक सत्यपाल सिंह राठोर, एमएलसी आशीष यादव आशू, चारों महामंत्री

पहुंच गए। सबसे पहले एटा नगर पालिका के सभी दावेदारों को बुलाया गया। सभी से एक साथ सवाल किया गया कि आपको टिकट क्यों दिया जाए। सभी ने बारी-बारी से अपने पक्ष को रखा। ऐसे ही एक-एक कर सभी निकायों का नंबर आया। देरशाम तक यह प्रक्रिया चलती रही। मिरहची, मारहरा, अलीगंज, राजा का रामपुर, अवागढ़, जलेसर तथा सकीट के दावेदारों से बात की गई। इन सभी दावेदारों की वार्ता के बाद यह कमेटी सभी नामों पर चर्चा करेंगी। एक-एक निकाय से तीन-तीन दावेदारों के पैनल बनाएं जाएंगे। यह नाम पहले क्षेत्रीय कार्यालय भेजे जाएंगे। इसके बाद प्रदेश कार्यालय को लिस्ट जाएगी। हाईकमान इन नामों पर चर्चा करने के बाद प्रत्याशियों की घोषणा करेंगी। माना जा रहा है कि प्रत्याशियों की घोषणा 17 अप्रैल के बाद हो सकेंगी।

चुनावी हलफनामा मामला: अदालत में पेश हुए भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, किसी भी गलत काम से किया इनकार

देवेंद्र फडणवीस के वकीलों ने कहा कि भाजपा नेता ने शिकायत में लगाए गए सभी तर्कों और आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन्होंने कोई %अपराध या गलत काम% नहीं किया है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शनिवार को यहां एक अदालत में पेश हुए। दरअसल, एक आवेदन में उनके खिलाफ यह कहते हुए कार्रवाई की मांग की गई थी कि उन्होंने 2014 के अपने चुनावी हलफनामे में आपराधिक मामलों का खुलासा नहीं किया। फडणवीस ने अदालत में इन सभी आरोपों से इनकार किया।

भाजपा नेता ने दिया 110 सवालों का लिखित जवाब

फडणवीस का बयान दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 313 के प्रावधान के तहत लिखित प्रारूप में दर्ज किया गया है। इस प्रावधान के तहत अदालत मामले में शिकायतकर्ता द्वारा आधारित सबूतों पर आरोपी से सवाल करती है। फडणवीस अपने वकीलों के साथ दोपहर 12 बजे सिविल जज वीए देशमुख के समक्ष पेश हुए। उन्हें 110 सवालों के साथ 35 पन्ने दिए दिए गए।

फडणवीस ने कोई अपराध या गलत काम नहीं किया: वकील

फडणवीस ने अपने वकीलों से चर्चा के बाद खुद प्रत्येक सवाल का जवाब लिखा। बाद में उनके वकीलों ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा नेता ने शिकायत में लगाए गए सभी तर्कों और आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन्होंने कोई अपराध या गलत काम नहीं किया है। फडणवीस डेढ़ घंटे बाद अदालत परिसर से चले गए।

अंतिम दलीलों के लिए छह मई की तारीख तय

अदालत ने मामले में अंतिम दलीलों के लिए छह मई की तारीख तय की है। वकील सतीश उके ने फडणवीस के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की मांग करते हुए आवेदन दायर कर आरोप लगाया था कि भाजपा नेता के खिलाफ 1996 और 1998 में धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन उन्होंने 2014 के विधानसभा चुनावों से पहले अपने चुनावी हलफनामे में इस जानकारी का खुलासा नहीं किया था। उके को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था जिसके बाद से वह फिलहाल जेल में हैं।

ठाणे जिला अदालत से राहुल गांधी को मिली राहत, मानहानि मामले में पेशी को लेकर दी स्थायी छूट

मजिस्ट्रेट ने स्थानीय आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में साक्ष्य दर्ज करने के लिए तीन जून की तारीख निर्धारित की है।महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राहत दी। अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक पदाधिकारी द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में पेश होने से स्थायी छूट दे दी। भिवंडी प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट सी वाडिकर ने राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर के माध्यम से दायर गांधी के आवेदन पर सुनवाई की और कहा कि कांग्रेस नेता स्थायी छूट के हकदार हैं। मजिस्ट्रेट ने स्थानीय आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में साक्ष्य दर्ज करने के लिए तीन जून की तारीख निर्धारित की है। कुंटे ने 2014 में गांधी के भाषण को देखने के बाद भिवंडी मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष एक निजी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें राहुल गांधी ने कथित तौर पर महात्मा गांधी की हत्या के लिए आरएसएस पर आरोप लगाया था। कुंटे ने दावा किया कि इस बयान से आरएसएस की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। गांधी जून 2018 में अदालत के सामने पेश हुए थे और उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी राहुल गांधी को अदालत द्वारा पारित अगले आदेश तक निम्नलिखित शर्तों के अधीन अदालत में पेशी से छूट दी जाती है। पहली शर्त में कहा गया है, आरोपी यह वचन देता है कि उसका विधिवत नामित अधिवक्ता समय-समय पर और नियमित रूप से प्रत्येक निर्धारित तिथि पर अदालत के समक्ष उपस्थित होता रहेगा और अभियुक्त की अनुपस्थिति में मुकदमे का संचालन करेगा। दूसरी शर्त में कहा गया है, निर्देश मिलने पर आरोपी को कोर्ट में पेश होना होगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी को हाल ही में मानहानि के मामले में सूरत की अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद सांसद के रूप में अयोग्य घोषित किया गया था। उन्होंने पिछले साल इस आधार पर भिवंडी अदालत में पेशी से छूट मांगी थी कि वह दिल्ली में रहते हैं और लोकसभा सदस्य हैं, उन्हें उनके निर्वाचन क्षेत्र वायनाड का दौरा करने, पार्टी के काम में शामिल होने और बहुत ज्यादा यात्राएं करनी पड़ती है। इसलिए इस मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट दी जाए। गांधी ने अनुरोध किया था कि जब भी आवश्यकता हो, सुनवाई में उनके वकील द्वारा उनका प्रतिनिधित्व करने की अनुमति दी जाए। कुंटे ने हाल ही में तर्क दिया था कि चूंकि गांधी अब सांसद नहीं हैं, इसलिए उन्हें इस मामले में छूट नहीं दी जानी चाहिए।

विचाराधीन कैदियों की निर्वस्त्र करके तलाशी लेना गलत, कोर्ट ने बताया अधिकारों का उल्लंघन

अहमद कमाल शेख ने दावा किया कि जब भी कोर्ट की सुनवाई के बाद उसे वापस जेल ले जाया जाता है तो जेल के गार्ड उसे निर्वस्त्र करके तलाशी लेते हैं। आरोप है कि अन्य कैदियों और जेल स्टाफ के सदस्यों के सामने उसे निर्वस्त्र किया जाता है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने कहा है कि विचाराधीन कैदियों को निर्वस्त्र करके तलाशी लेना गलत है। कोर्ट ने कहा कि यह उनके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि जेल के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कैदियों की तलाशी के लिए स्कैनर और तकनीकी औजारों का इस्तेमाल किया जाए। बता दें कि निर्वस्त्र करके तलाशी लेने के खिलाफ 1993 के मुंबई बम धमाकों के आरोपी अहमद कमाल शेख ने याचिका दायर की थी।

मुंबई बम विस्फोट के आरोपी ने दायर की याचिका

महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के विशेष जज बीडी शेलके ने 10 अप्रैल को यह आदेश दिया। आदेश की विस्तृत कॉपी अब मिली है। अहमद कमाल शेख ने दावा किया कि जब भी कोर्ट की सुनवाई के बाद उसे वापस जेल ले जाया जाता है तो जेल के गार्ड उसे निर्वस्त्र करके तलाशी लेते हैं। आरोप है कि अन्य कैदियों और जेल स्टाफ के सदस्यों के सामने उसे निर्वस्त्र किया जाता है।

क्या है याचिका में

याचिका में कहा गया है कि यह प्रैक्टिस शर्मसार करने वाली है, साथ ही उसके अधिकारों का भी उल्लंघन है। याचिका में ये भी कहा गया है कि जब वह इसका विरोध करता है तो जेल के सुरक्षाकर्मियों द्वारा उसके साथ गाली गलौज की जाती है। हालांकि मुंबई जेल के अधिकारियों ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। यह सिर्फ जेल प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश है।

कोर्ट ने दिया ये निर्देश

दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि आवेदनकर्ता की शिकायत में कुछ दम तो है क्योंकि कई अन्य आरोपियों ने भी कोर्ट में ऐसी शिकायतें की हैं। विचाराधीन कैदियों को निर्वस्त्र करके तलाशी लेना उसके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है। साथ ही यह शर्मसार करने वाला है। गाली गलौज करना भी गलत है। कोर्ट ने केंद्रीय जेल के सुपरिटेंडेंट को निर्देश दिया कि कैदियों की तलाशी के लिए तकनीकी औजार, स्कैनर आदि का इस्तेमाल किया जाए। कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर स्कैनर आदि की व्यवस्था नहीं है तो हाथों से भी तलाशी ली जा सकती है लेकिन इस दौरान कैदी को शर्मसार ना किया जाए और उसके साथ बदतमीजी ना की जाए।

भीड़ से बिगड़े हालात, फंसकर बिलबिलाए बच्चे व महिलाएं, कई श्रद्धालुओं की बिगड़ी तबीयत

मथुरा में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में बैरिकेडिंग लगाने के बावजूद भीड़ से हालात बिगड़ गए। इसमें फंसकर बच्चे व महिलाएं बिलबिला गए। इस दौरान कई श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। उत्तर प्रदेश के मथुरा में वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में शनिवार को भीड़ से हालात फिर से बिगड़ गए। सुबह से लेकर दोपहर तक मंदिर में भारी भीड़ रही। भीड़ में फंसकर कई श्रद्धालुओं की तबीयत भी खराब हो गई। उन्हें मंदिर के एसी रूम में बैठाया गया, तब कहीं जाकर उन्हें आराम मिला। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में हुए हादसे के बाद भी मंदिर में भीड़ का दबाव कम नहीं हो पा रहा है। इसे कम करने के लिए जिला प्रशासन हर रोज नए-नए प्रयोग कर रहा है। पिछले दिनों दुकानों के आगे की गई बैरिकेडिंग के बाद बृहस्पतिवार को विद्यापीठ चौराहे से बांकेबिहारी मंदिर पुलिस चौकी के निकट तक समानांतर बैरिकेडिंग लगाई गई। शनिवार को बैरिकेडिंग लगाए जाने के बाद भी व्यवस्थाओं में कोई खास सुधार होता नहीं दिखाई दिया।

धक्कामुक्की के बीच मंदिर जाने को मजबूर लोग

बांकेबिहारी पुलिस चौकी तक तो लोग बैरिकेडिंग के माध्यम से लाइन लगाकर आए, लेकिन इसके बाद मंदिर की मुख्य गली से लेकर मंदिर के गेट नंबर तीन और दो तक बेतहाशा भीड़ हो गई। आपाधापी और धक्कामुक्की के बीच लोग मंदिर में दर्शन के लिए जाने को मजबूर थे। गलियों में भीड़ हिलोरे मार रही थी। भीड़ में फंसे बच्चे, वृद्धजन और महिलाएं दबाव को सहन करते हुए मंदिर तक पहुंचे।

बालिका और श्रद्धालु की बिगड़ गई तबीयत

मंदिर के गेट पर भारी भीड़ का दबाव रहा। मंदिर प्रबंधन और पुलिस ने व्यवस्थाओं को संभालने का प्रयास किया लेकिन सभी प्रयास भीड़ के आगे नाकाफी देखे गए। भीड़ के कारण मंदिर में एक सात वर्ष की बालिका व अन्य श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई। मंदिर में तैनात सुरक्षा गार्ड बच्ची को गोद में उठाकर ऊपरी मंजिल पर कार्यालय में ले गए और एसी में बैठाया और दवा दी। इसके बाद उसकी तबीयत में सुधार हो सका।

स्कूल वैन फंसी

प्रशासनिक अधिकारियों की अदूरदर्शी योजना का खामियाजा स्थानीय लोगों को उठाना पड़ रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बिना स्थानीय लोगों की सहमति के विद्यापीठ चौराहे से पुलिस चौकी तक समानांतर बैरिकेडिंग लगा दीं। इससे स्कूल की वैन भी मंदिर क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के घरों तक नहीं पहुंच सकी। बच्चों को परेशानी हुई। श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग दोपहर गाय घुस आई। इससे बैरिकेडिंग में चल रहे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई।

Will captain Dhoni retire after this season of IPL? Interesting answer of former CSK cricketer, know

So far in this IPL, Dhoni has been tremendous in batting as well as wicketkeeping. Despite being injured in the first match, Dhoni has played some brilliant innings with the bat. Along with this, he has also taken some good catches in wicketkeeping. The news of Mahendra

Singh Dhoni's retirement from IPL is not new. It has been going on for the last several years that he will retire this season, but till now it has not happened. Even at the age of 41, Dhoni is one of the fittest players of Chennai Super Kings. He has won four titles to Chennai under his captaincy and the last title came two years ago i.e. in 2021. Earlier the team has won the IPL trophy in 2010, 2011 and 2018 as well. Dhoni One of the fittest players of CSK – Dhoni has been tremendous in batting as well as wicketkeeping in this IPL so far. Despite being injured in the first match, Dhoni has played some brilliant innings with the bat. Also took some good catches in wicketkeeping. Like every time, this year also it is being told in the media reports that Dhoni will retire after this IPL. In such a situation, Team India's batsman and former CSK cricketer Kedar Jadhav has given a statement regarding Dhoni's retirement. When asked whether the Chennai team is ready to play without Dhoni? On this Kedar said that this would be Dhoni's last season. What did Kedar Jadhav say about Dhoni? - While speculating, Kedar Jadhav cited Dhoni's age as the reason. He said that the team is not ready to play without him. Kedar said- Neither CSK is ready to play without MS Dhoni nor the fans were ready when he ended his international cricket career. I think this is going to be the last year for Dhoni playing for CSK in IPL as he will be 42 in a few months. Dhoni's tremendous career- Dhoni joined the CSK franchise in the inaugural season of IPL in 2008. Since then he has always been a part of the same team in the IPL. Dhoni played for Rising Pune Supergiants for two editions after CSK was banned in 2016 and 2017. Dhoni's Chennai Super Kings team won the title as soon as the team returned in 2018. Dhoni has moved down his batting order since IPL 2020. He has been batting well this season so far. In the current season, he has scored 58 runs in four matches at a strike rate of 214.81 and an average of 58. He has so far scored 5036 runs in 238 IPL matches at an average of 39.34 and a strike rate of 135.78. Apart from this, 138 catches have been taken and 39 stumpings have been done.

Haris Rauf shocked the Kiwi batsmen, Pakistan won the first T20 match by 88 runs

The first match of the five-match T20 series between Pakistan and New Zealand was played at the Gaddafi Stadium in Lahore on 14 April. In this match, the host team Pakistan defeated New Zealand by 88 runs. Haris Rauf performed amazingly in the match and he was awarded the man of the match award for this deadly performance. At the same time, Matt Henry also took a hat-trick in this match, but his hat-trick could not work for the Kiwi team. Batting

first, the Pakistan cricket team had a bad start. Opener Mohammad Rizwan was dismissed after scoring 8 runs. At the same time, Captain Babar Azam returned to the pavilion after playing a cheap inning of 9 runs. After these two wickets, Fakhar Zaman and Syam Ayub handled the team's innings and both the batsmen scored 47 runs. Apart from this, Faheem Ashraf scored 22 and Haris scored 11 runs. Matt Henry took the maximum 3 wickets from the Kiwi team while Adam Mine and Benjamin Lister got 2-2 success. PAK vs NZ 1st T20: Kiwi team lost by 88 runs – After chasing 183 runs, New Zealand team's batsmen flopped. The bowling of the Pakistan team was amazing, who bowled out New Zealand for just 94 runs and won the match by a huge margin of 88 runs. The most successful bowler from Pakistan was Haris Rauf who took 4 wickets in his name. Apart from this, Imad Wasim also took 2 wickets. While Shaheen Afridi, Zaman Khan and Faheem Ashraf also got 1-1 success. At the same time, Mark Chapman scored the maximum 34 runs from the Kiwi team.

Hardik Pandya, running in bad form, made a big mistake against Punjab Kings, fined

Batting first, Punjab Kings scored 153 runs losing eight wickets. Matthew Short scored the maximum 36 runs for Punjab. At the same time, Mohit Sharma took two wickets for Gujarat. The Gujarat team won the match by scoring 154 runs for four wickets in 19.5 overs. The 16th season of IPL has not been special for Gujarat Titans captain Hardik Pandya so far. He has played in three out of four matches. During this, he has not been able to score a single half-century. Even Hardik has not got success in bowling. Gujarat won the fourth win of the season by winning the match against Punjab Kings on Thursday (April 13). She reached the third position in the points table. However, after this victory, bad news came to the fore for

Hardik. A fine of Rs 12 lakh has been imposed on Hardik. Hardik has not been able to touch the double figures even once, let alone a half-century this season. He was dismissed after scoring eight runs in the first match against Chennai Super Kings. In bowling, 28 runs were looted in three overs. After that, he could only score five runs in the second match against Delhi Capitals. He gave 18 runs in three overs. Hardik did not play in one match – he could not play in the third match against Kolkata Knight Riders. He made a comeback in the fourth match against Punjab, but his poor form continued. He was able to score only eight runs off 11 balls. He did not bowl against Punjab. Why was Hardik fined?- Hardik Pandya was fined Rs 12 lakh for maintaining a slow over-rate during the match against Punjab Kings. The IPL aims to finish matches in three hours and 20 minutes, but the slow over-rate is proving to be a problem. Many matches are going beyond four hours. "Since this was his team's first offense under the IPL Code of Conduct, Pandya was fined Rs 12 lakh," the IPL media advisor said on Friday. What happened in the match against Punjab? Batting first, Punjab Kings scored 153 runs losing eight wickets. Matthew Short scored the maximum 36 runs for Punjab. At the same time, Mohit Sharma took two wickets for Gujarat. The Gujarat team won the match by scoring 154 runs for four wickets in 19.5 overs. Shubman Gill was the biggest contributor to the victory of Gujarat Titans. He scored 67 runs.

Know how much salary SRH pays to Harry Brook, who scored the first century of IPL 2023?

On 4 April 2023, Harry Brook scored the first century of the 16th season of IPL. Against KKR, Sunrisers Hyderabad's star player Harry scored an unbeaten 100 runs in 55 balls and contributed significantly to the team's score of 228 runs. After his century innings, everyone is praising him fiercely. Brook's bat was silent in the first three matches, but his bat roared fiercely at Eden Gardens. Sunrisers Hyderabad included him in their camp by bidding Rs 13.25 crore on Harry in the IPL 2023 auction. In such a situation, let us know through this article how much money Harry gets for playing a match in IPL? Actually, after scoring the first century in IPL 2023,

there is a lot of discussion about the salary of Harry Brook. In the 16th season of IPL, Sunrisers Hyderabad bought him for Rs 13.25 crore. This means Harry will get around Rs 94-95 lakhs for playing each match in IPL 2023. Please tell that Harry Brook scored 21 runs in 13 balls in the first three matches, 4 runs in 3 balls in the second match and 14 runs in 13 balls in the third match. Brook's bat was silent in three matches. In the fourth match, Harry Brook attacked the Kolkata bowlers fiercely and played an unbeaten century with the help of 12 fours and 3 sixes. Harry became the first Sunrisers Hyderabad player to score a strong century outside Hyderabad's home ground. Apart from this, he became the third batsman to score a century for Sunrisers Hyderabad. Before Harry Brook, David Warner, Johnny Bairstow have done this amazing for Hyderabad. KKR vs SRH: Nitish-Rinku's innings faded before Harry's century - Sunrisers Hyderabad team opener Harry Brook scored brilliantly in 55 balls Scored a century. This was the first century of this season. At the same time, captain Aiden Markram scored 50 runs in 26 balls, which included 2 fours and 5 sixes. Apart from him, Abhishek Sharma scored 32 runs off 17 balls, which included 3 fours and 2 sixes. Thanks to these batsmen, the Hyderabad team scored 228 runs in 20 overs. In response to this, captain Nitish Rana scored 75 runs and Rinku Singh also scored a half-century from KKR team, but both these batsmen could not win the team and KKR had to face defeat by 23 runs in the match.

'I started doing wrong things...', Rupal Tyagi's pain spilled after years of disappearing from TV

The TV world has not limited itself anymore, but is expanding itself like the film world. People go through a big struggle to work from small screen to big screen. After many years, the character of Gunjan in 'Sapne Suhane Ladakpan Ke' made Rupal Tyagi a household name, but after this serial she completely disappeared. Now after many years, Roopal's pain has spilled over the struggles of her career. Significantly, at the age of just 16, Roopal came to Mumbai from Bangalore to fulfill her dreams. Before acting, Rupal has assisted choreographers. Not only this, Roopal has choreographed stars like Vidya Balan, Shahid Kapoor and Kareena Kapoor in films like 'Chup Chup Ke' and 'Bhool Bhulaiyaa'. Recently, Roopal in an interview spoke about her pain and how her life changed forever after her success. The actress says her life changed after the success of the show Sapne Suhane Ladakpan Ke and she came to know what fame is. What success? Roopal also said that after this show people started calling her Kareena Kapoor of TV. Earlier, she used to travel in bus and auto, but after this show, she came on her own car. Rupal further said that after this show she was enjoying her success when life took a turn and everything changed. Went. Roopal said, 'Everything was going great when the lowest point came in my life, the guy I was in love with went to his ex or he maybe was dating two people at the same time.

Not only was it broken, but everything was printed in the paper, some false stories too.' Rupal further said, 'Those who were not popular also started giving statements and getting their names published. Then I understood the real meaning of fame. Reading about my breakup every day and thinking that my parents must be getting upset after reading this, the happiness of fame went out of my heart, many people were taking advantage of it and becoming famous. I was so upset with things that he turned down even big offers. Roopal further said that when the lowest phase came in her life, she started doing wrong things in the words of friends to distract herself from it. Later he overcame it by doing meditation.

'From peace to country's first female sports anchor', Mandira Bedi's journey has been something like this

Popular actress Mandira Bedi is celebrating her 51st birthday today i.e. on 15th April, she was born in 1972 in Kolkata. Mandira was the first female sports anchor to make her mark with Doordarshan's show 'Shanti'. He started his journey in the sports world in 2003 with Sony. Be it 'Shanti' or hosting the ICC World Cup, Mandira fit in both the roles. But Mandira's journey has not been easy. He had to face a lot of struggle and trolls to make his mark. She has been a victim of trolls since the time when social media was not even a trend. But each time Mandira faced the trolls firmly and stood like a rock. This is the reason why today she has managed to carve a different identity for herself. Mandira's character in 'Shanti' was that of a simple girl with strong intentions. When he started doing cricket shows in 2003, his dress became modern and so did his style. He was appreciated a lot for hosting, but he was unnecessarily targeted for this. Comments were made on her clothes that she adds too much glamor to the show with her clothes, which takes away the seriousness of the game. Mandira had said in an interview about her behavior during hosting that I work very hard for my work, but people only see the strap of my blouse. If she did, he didn't like her. He used to stare at her or answer anything and this scared Mandira. Mandira had told during an interview that no one wanted her to host the show. In such a situation, he had a lot of trouble. Although the channel supported him and gave him complete freedom to work. Mandira had anchored extra innings in the 2003 and 2007 World Cups. After this, in 2004 and 2006, he also hosted the Champions Trophy and the second season of IPL. At the same time, he also had to face a lot of trouble due to lack of knowledge of cricket. Even during the 2007 Cricket World Cup, there was a ruckus regarding Mandira's saree. During this, the saree that the actress wore first had the flags of all the teams. Mandira was criticized a lot for this, after which she also apologized. At the same time, he was also criticized for having less knowledge about cricket. Initially, Mandira used to get upset with this, but later she started focusing on her work and stopped paying attention to all this. Mandira is also known for her fitness and often shares her photos and videos. Are. In such a situation, many times he had to become a victim of troll for his photos as well. A lot of lewd comments were made for him. Not only this, when Mandira adopted her daughter Tara in 2020 and informed about it, the trolls found a reason in this as well, saying that her daughter was picked up from the street and garbage. At the same time, Mandira was also asked to adopt a child to brighten her PR. Mandira has worked in her career from serials and hosting to films and she also came under the scanner many times during all this. . The limit was reached when she was facing the biggest sorrow of her life and the trolls still targeted her. When her husband died in 2021, she was strongly criticized for her manners and clothes.

Amidst the news of affair with Raghav, Parineeti got a big project, will be a part of this film

Bollywood actress Parineeti Chopra is in discussion these days because of her personal life. Amidst the news of affair, there is a very good news for Parineeti's fans. The actress will be seen in the second part of the romantic film 'Shiddat' in the year 2021. Bollywood actress Parineeti Chopra is in discussion these days because of her personal life. The actress was spotted several times with Aam Aadmi Party leader Raghav Chadha some time ago, after which the news of their dating started surfacing. Along with this, it is also being said that both can get engaged soon, but Parineeti and Raghav have not given any clarification about this yet. Both are keeping silence on this matter. At the same time, no new information has been revealed regarding the engagement of both. Parineeti got a big project – There is a very good news for the fans of Parineeti amidst the news of affair. The actress will be seen in the second part of the romantic film 'Shiddat' in the year 2021. Yes, the makers of the film have announced to make 'Shiddat 2'. Along with this, it has also been informed that Parineeti is a part of this film. In 'Shiddat 2', Sunny Kaushal is going to be seen once in the role of 'Jaggi'. Will be seen in 'Shiddat 2' - No update has been revealed about whether Radhika Madan will be in the second part of the film or not, but according to the makers, this time Parineeti Chopra is also included in the cast of the film. The actress is going to be seen in an important role in this film. Talking about the work front, the actress was seen in Sooraj Barjatya's film 'Unchai' released last year. After this, Parineeti will now be seen in films like 'Shiddat 2', 'Chamkila' and 'Capsule Gill'. Fans are eagerly waiting- The actress has remained in the limelight these days because of the news of her affair. The news of her relationship with Raghav Chadha is in full swing. At the same time, it is being claimed in media reports that both have been classmates, but the actress is tight-lipped on these reports. At the same time, the fans are eagerly waiting for the confirmation of their relationship.The actress is going to be seen in an important role in this film. Talking about the work front, the actress was seen in Sooraj Barjatya's film 'Unchai' released last year. After this, Parineeti will now be seen in films like 'Shiddat 2', 'Chamkila' and 'Capsule Gill'. Fans are eagerly waiting- The actress has remained in the limelight these days because of the news of her affair. The news of her